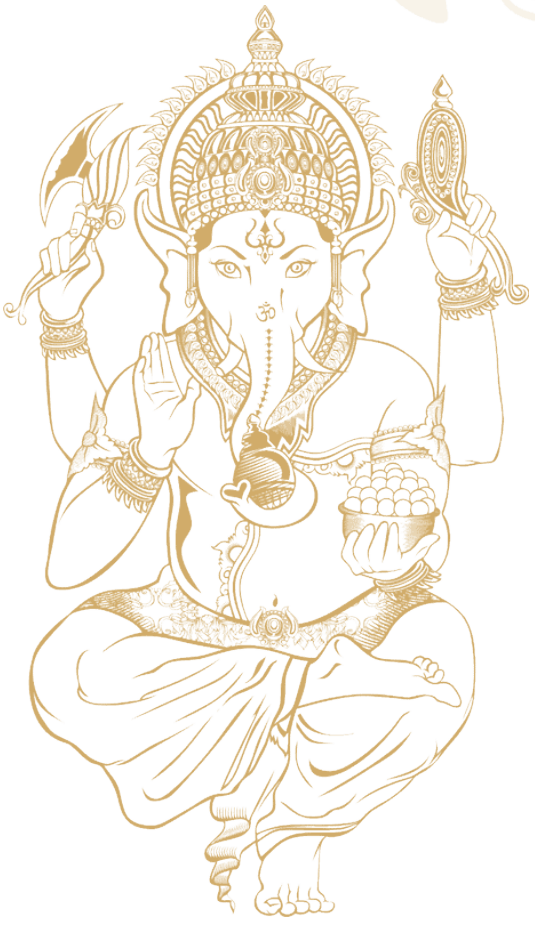

Rahul

Amrit kaur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121011305

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/12/1987	जन्म तिथि	11/04/1989
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 19:05:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 30:50:57	जन्म समय(घटी)	39:13:38 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Bhilai
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	21:13:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	81:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:44:37	सूर्योदय	05:49:09
17:33:19	सूर्यास्त	18:21:57
23:41:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:42:33

विंशोत्तरी बुध 0वर्ष 1मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 10वर्ष 0मा 9दि
चन्द्र	08:00:13	मिथु	लग्न	वृश्चि	14:14:32	शनि
01/01/2021	15:07:48	वृश्चि	सूर्य	मीन	28:02:23	21/04/2015
02/01/2031	29:55:54	मीन	चंद्र	मिथु	12:34:25	21/04/2034
चन्द्र 02/11/2021	11:10:18	तुला	मंगल	वृष	25:28:45	शनि 24/04/2018
मंगल 03/06/2022	03:12:49	वृश्चि	बुध	मेष	05:49:46	बुध 01/01/2021
राहु 03/12/2023	26:24:43	मीन व	गुरु	वृष	11:47:59	केतु 10/02/2022
गुरु 03/04/2025	10:38:48	धनु	शुक्र	मीन	29:45:35	शुक्र 12/04/2025
शनि 02/11/2026	28:11:51	वृश्चि	शनि	धनु	20:06:50	सूर्य 25/03/2026
बुध 02/04/2028	06:21:41	मीन व	राहु व	कुंभ	10:00:31	चन्द्र 24/10/2027
केतु 01/11/2028	06:21:41	कन्या व	केतु व	सिंह	10:00:31	मंगल 02/12/2028
शुक्र 03/07/2030	02:08:45	धनु	हर्ष व	धनु	11:37:21	राहु 09/10/2031
सूर्य 02/01/2031	12:58:45	धनु	नेप	धनु	18:40:26	गुरु 21/04/2034
	17:20:37	तुला	प्लूटो व	तुला	20:42:21	

लग्न-चलित

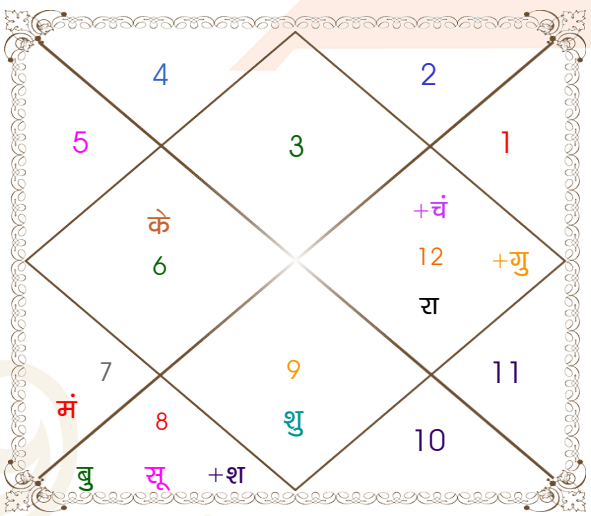

लग्न-चलित

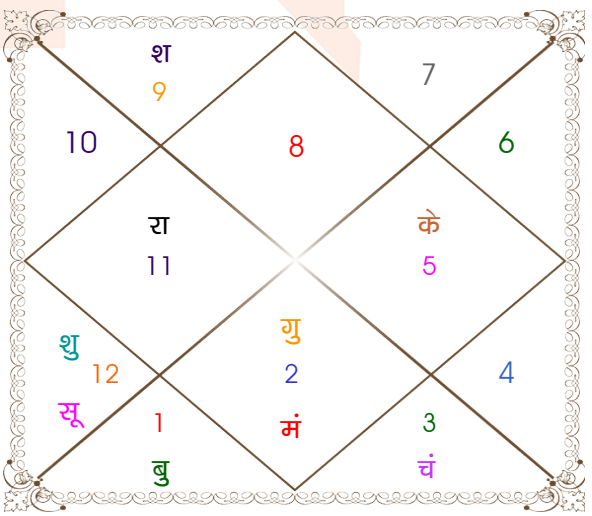

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Rahul का वर्ग सिंह है तथा Amrit kaur का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और Amrit kaur का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Amrit kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Amrit kaur कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Amrit kaur कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rahul कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा Amrit kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।